



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

९ श्रावण १९३९ (१०)

(सं० पटना ६७३) पटना, सोमवार, ३१ जुलाई २०१७

सं० ०८ / आरोप-०१-६५ / २०१५-७०९३ / सा०प्र०
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

१२ जून २०१७

श्री राजाराम चन्द्र राम, बि०प्र०स०, कोटि क्रमांक-१३७४/०८, ११३७/११, तत्कालीन अंचलाधिकारी—सह—प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बिस्फी, मधुबनी के विरुद्ध अवैध रूप से सेरातों की बंदोवस्ती करने एवं शिक्षक नियोजन में अनियमितता बरतने संबंधी प्रतिवेदित आरोपों की जाँच हेतु संकल्प ज्ञापांक १५७८९ दिनांक २२.११.२०१२ द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर आरोप, प्रपत्र-‘क’ एवं संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि आरोप के एक अन्य मामले में निलंबित (विभागीय संकल्प ज्ञापांक ४३३ दिनांक ०९.०२.२००९) रहने के बावजूद आरोपित पदाधिकारी द्वारा वक्फ बोर्ड के बगीचे की बंदोवस्ती हेतु कार्रवाई की गयी। उक्त बंदोवस्ती में भाग लेने वाले का हस्ताक्षर भी बीड़ सीट पर संदिग्ध पाया गया। इसके पश्चात जिला पदाधिकारी द्वारा उक्त बगीचे की नये सिरे से बंदोवस्ती की गयी, जिसमें पूर्व में की गयी बंदोवस्ती से तीन लाख रुपये से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई। इस प्रकार श्री राम के विरुद्ध निलंबन अवधि में कार्य करने एवं वित्तीय शक्तियों का गलत ढंग से प्रयोग करते हुए राजस्व की क्षति पहुंचाने संबंधी आरोप प्रमाणित पाया गया। उक्त प्रमाणित आरोपों पर श्री राम से प्राप्त लिखित अभिकथन एवं बिहार लोक सेवा आयोग से प्राप्त मतव्य की समीक्षा के उपरांत सम्यक विचारोपरांत संकल्प ज्ञापांक ३१०२ दिनांक १६.०३.२०१७ द्वारा कालमान वेतन में निम्नतर दो प्रक्रम (दो वेतन वृद्धि पीछे) पर दो वर्षों के लिए संचयी प्रभाव से अवनति (दंड के प्रभाव अवधि में वेतनवृद्धि अर्जित नहीं करेंगे) का दंड संसूचित किया गया।

उक्त दंडादेश के विरुद्ध प्राप्त पुनर्विलोकन अभ्यावेदन (दिनांक २२.०४.२०१७) में श्री राम ने यह उल्लेख किया कि उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ आम में मंजर लगने के समय वक्फ बोर्ड के बगीचे की बंदोवस्ती की थी परन्तु चार माह बाद पुनः बंदोवस्ती कराये जाने पर राजस्व में वृद्धि होना स्वभाविक था। आरोप के अन्य बिन्दुओं पर श्री राम ने कोई बचाव प्रस्तुत नहीं किया।

पुनर्विलोकन अभ्यावेदन पर विचार करते हुए यह पाया गया कि श्री राम ने निलंबन अवधि में आनन—फानन में त्रुटिपूर्ण बीड़ सीट पर बंदोवस्ती करने संबंधी प्रमाणित आरोपों के बचाव में कोई तथ्य नहीं दिया है। इसके साथ ही अभ्यावेदन में प्रस्तुत तर्क से उनके निर्दोष होने की पुष्टि नहीं होती है। इस प्रकार श्री राम के पुनर्विलोकन अभ्यावेदन को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया।

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में सम्यक विचारोपरांत श्री राजाराम चन्द्र राम, बिहारी से, कोटि क्रमांक-1137/11, के पुनर्विलोकन अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 3102 दिनांक 16.03.2017 द्वारा संसूचित दंड यथावत रखा जाता है।

आदेश :— आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण) 673-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>